1942 के क्रिप्स मिशन पर संक्षिप्त निबन्ध लिखें

द्वितीय विश्व युद्ध 1939 ने भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन को व्यापक रूप से प्रभावित किया जिसका विकट परिणाम क्रिप्स मिशन का आगमन था 1942 में धुरी राष्ट्र विशेषकर जापान की विजय से ब्रिटिश सरकार घबरा गयी और भारतीयों की सहानुभूति एवं समर्थन प्राप्त करना आवश्यक हो गया। इसी उद्देश्य से उसने भारत में संवैधानिक गतिरोध दूर करना चाहा तथा इसके लिए 22 मार्च 1942 को सर स्टैफोर्ड क्रिप्स को भारत भेजा।

ब्रिटिश सरकार ~~निम्न~~ द्वारा क्रिप्स मिशन भेजने के निम्नलिखित महत्वपूर्ण कारण थे।

द्वितीय विश्व युद्ध की विषम परिस्थिति के कारण इंग्लैण्ड के कुछ उदारवादी व्यक्तियों ने सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित किया कि उसको भारत की राजनीतिक समस्या का समाधान खोजने के लिए कोई संतोषजनक कदम उठाना चाहिए अंग्रेजों की इस माँग का ब्रिटिश सरकार पर असर पड़ा।

चीन का जनरल च्यांग-काई-शेक ने ब्रिटिश सरकार पर इस सम्बन्ध में दबाव डाला। फरवरी 1942 में वह भारत आया तथा यहाँ उसने गाँधी, नेहरू, आजाद

जनवरी 2019

11 शुक्रवार

भारतीय नेताओं से भेंट की तथा एक प्रस्ताव प्रकाशित किया जिसमें ब्रिटेन से निवेदन किया गया भारत को शीघ्रतापूर्वक आजादी दी जाए।

रूजवेल्ट का दबाव भी ब्रिटिश सरकार के प्रस्ताव में परिवर्तन का एक मुख्य कारण है अमेरिका राष्ट्रपति रूजवेल्ट ने ब्रिटिश सरकार पर दबाव डाला कि भारत की समस्या का समाधान होना आवश्यक है और अटलांटिक घोषणा समान रूप से सभी राष्ट्रों पर लागू होगी।

इसी समय आस्ट्रेलिया के प्रधान मंत्री ने भी भारत को पूर्ण स्वराज्य प्रदान करने का सुझाव दिया जिससे की भारत की जनता तन-मन-धन

12 शनिवार

से जापान के विरुद्ध ब्रिटेन की सहायता कर सके।

क्रिप्स मिशन भेजने का एक अन्य कारण युद्धकालीन संकट की स्थिति थी जापान पूर्वी एशिया में भयंकर आक्रमण कर रहा था वह भारत की सीमा तक आ गया था पूर्वी एशिया में भारत ही एक ऐसा देश था जो जापान के वार को रोक सकता था इस संकट मय स्थिति में ब्रिटिश सरकार घबरा उठी और भारत की संवैधानिक समस्या का समाधान करना उचित समझा।

और ब्रिटिश सरकार भारतीयों के

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA

के लिए आतुर थी और दूसरी ओर भारतीय लिया जाने के सहयोग देने के लिए तैयार नहीं थे। कॉंग्रेस ने प्रतिज्ञा कर ली थी कि बिना स्वराज्य के वह किसी प्रकार का मदद देने के लिए तैयार नहीं है चर्चिल के वक्तव्यों ने भारतीयों का रहा सहा विश्वास भी समाप्त कर दिया। नेहरू ने भी भारत की सुरक्षा के लिए संगठन करने का वादा किया बशर्ते कि ब्रिटिश सरकार उनकी स्वराज्य की मांग को पूरा करे ब्रिटिश सरकार के सामने भारतीयों को किसी प्रकार शान्त करने की अपेक्षा और चारा नहीं था अतः संवैधानिक गतिरोध को दूर करना नितांत आवश्यक समझा गया।

इस प्रकार ब्रिटेन का प्रधान मंत्री

भारतीय संवैधानिक गतिरोध को समाप्त करने के लिए सर स्टैफोर्ड क्रिप्स को भारत भेजने का निर्णय लिया तथा 11 मार्च 1942 को House of Commons में उसके उद्देश्य को बतलाते हुए कहा कि "वह भारत में न केवल बहुसंख्यक हिन्दुओं बल्कि अल्पसंख्यकों जिनमें मुसलमान प्रमुख है से बातचीत करके संवैधानिक समस्या का समाधान निकालेगा"।

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA